केo संo—1125

नोट—केन्द्र के नाम की मुहर उत्तरपुस्तिका के किसी भी भाग पर न लगाएं।

'ब' उत्तरपुस्तिका की संख्या—

ब$_1$	ब$_2$	ब$_3$	ब$_4$

हस्ताक्षर कक्ष निरीक्षक—

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायेगा—

अनुक्रमांक (अंकों में)— [illegible]

अनुक्रमांक (शब्दों में)— [illegible]

विषय— इतिहास

प्रश्नपत्र संकेतांक— 410 (IUT)

परीक्षा का दिन— शनिवार

परीक्षा तिथि— 02-03-24

कक्ष निरीक्षक द्वारा भरा जाय—

केन्द्र संख्या— [illegible]

परीक्षा कक्ष संख्या— 0 9

उपरोक्त सभी प्रविष्टियों की जाँच मेरे द्वारा सावधानीपूर्वक कर ली गयी है।

कक्ष निरीक्षक का नाम— विमला तिवारी

दिनांक— 2.3.2024

हस्ताक्षर कक्ष निरीक्षक— Btewari

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन समुचित प्रश्न–पत्र संकेतांक तथा मूल्यांकन निर्देशों के अनुसार किया है। प्राप्तांकों का मुखपृष्ठ पर अग्रसारण कर प्राप्तांकों एवं प्राप्तांकों के योग का मिलान कर लिया गया है। एवार्ड ब्लैंक में प्राप्तांकों की अंकना कर उनका पुनः मिलान भी कर लिया है। किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिए मैं उत्तरदायी रहूँगा/रहूँगी।

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं संख्या.......

1. अंकेक्षक के हस्ताक्षर एवं संख्या.......

2. अंकेक्षक के हस्ताक्षर एवं संख्या.......

सन्निरीक्षा प्रयोगार्थ

सन्निरीक्षा पूर्व अंक— NC

सन्निरीक्षा पश्चात् अंक—

त्रुटि का प्रकार—

दिनांक— 23.04.24

हस्ताक्षर निरीक्षक—

परीक्षक, निम्न तालिका में प्रत्येक प्रश्न तथा उसके खण्डों के प्राप्तांकों का विवरण यथास्थान भरें।

प्रश्न संख्या	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	योग
01											
02											
03											
04											
05											
06											
07											
08											
09											
10											
11											
12											
13											
14											
15											
16											
17											
18											
19											
20											
21											
22											
23											
24											
25											
26											
27											
28											
29											
30											
31											
32											
33											
34											
35											

योग (शब्दों में)....... योग (अंकों में) [illegible]

प्रश्न सं० (01) का उत्तर

(क) उत्तर

सिंधु घाटी सभ्यता मे जुते हुये खेत के साक्ष्य कालीबंगन से मिले है
विकल्प (ii) कालीबंगन सही है।

(ख) उत्तर

अर्थशास्त्र नामक ग्रन्थ मौर्य वंश के शासन काल मे लिखा गया था।
विकल्प (iv) मौर्य वंश सही है।

(ग) उत्तर

वी० एस० सुकथांकर संस्कृत भाषा के प्रमुख विद्वान थे।
विकल्प (i) संस्कृत सही है।

(घ) उत्तर

महात्मा बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश सारनाथ मे दिया था।
विकल्प (iii) सारनाथ सही है।

(ङ) उत्तर

फ्रांस्वा बर्नियर एक चिकित्सक था।
विकल्प (ii) एक चिकित्सक सही है

P.T.O.

प्रसिद्ध है।
विकल्प (iv) कबीर सही है।

(घ) उत्तर

जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड सन् 1919 मे हुआ था।
विकल्प (ii) 1919 सही है।

(ज) उत्तर

1857 के विद्रोह का तात्कालिक कारण चर्बीयुक्त कारतूस था।
विकल्प (i) चर्बीयुक्त कारतूस सही है।

(झ) उत्तर

विकल्प (iii) A तथ्य सही है परन्तु R गलत है। यह विकल्प सही है क्योंकि हड़प्पा के अलावा अन्य जगह से भी सिन्धु घाटी सभ्यता के साक्ष्य मिले है।

(ञ) उत्तर

विकल्प (i) A तथा R दोनो सही है तथा R, A की सही व्याख्या करता है। यह विकल्प सही है।

अंगुत्तर निकाय ग्रन्थ मे मिलता है।

प्रश्न सं० (03) का उत्तर

सुत्त पिटक मे महात्मा बुद्ध की सामान्य जनो के लिए दी गई शिक्षाओ को सग्रहित किया गया है।

प्रश्न सं० (04) का उत्तर

खालसा पंथ की नीव गुरु गु गोविन्द सिंह ने डाली थी।

प्रश्न सं० (05) का उत्तर

विजयनगर वास्तुकला के दो उदाहरण है -
① कमल महल ② महानवमी डिब्बा
③ हजाररामा मन्दिर

प्रश्न सं० (06) का उत्तर

बम्बई दक्कन मे लागू की गई राजस्व प्रणाली को रैयतवाड़ी राजस्व प्रणाली कहा जाता है।

प्रश्न सं० (07) का उत्तर

संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ० भीम राव अम्बेडकर जी थे।

P.T.O.

प्रश्न सं० (08) का उत्तर

अभिलेख का अर्थ :→ अभिलेख को पत्थर चट्टान या धातु जैसी मोटी सतह पर उकेरा जाता है अभिलेख हमेशा इतिहासिका चीजो को बताते है।

महत्व :→ ① → अभिलेख के द्वारा हम किसी राजा का काल जान सकते है।

② → अभिलेखो से उस समय प्रचलित भाषा को जाना जा सकता है।

③ → अभिलेख से हम किसी राजा का क्षेत्र, उपाधी जान सकते है।

प्रश्न सं० (09) का उत्तर

खानकाह :→ सूफी सन्तो के घर खानकाह कहलाते थे।

कार्य :→ ① → खानकाहो मे सूफी संत अपने मुरीदो की भर्ती करते थे।

② → खानकाहो मे सूफी सन्त अपने परिवार व अनुयायियो के साथ रहते थे।

③ → यहाँ पर हमेशा लंगर होता रहता था।

④ → खानकाहो को राजा ने कर मुक्त रखा था।

पहाड़ी लोगो की प्रतिक्रिया

19 वी शताब्दी के आरम्भ आरम्भिक वर्षो मे बुकानन राजमहल की पहाड़ियो का दौरा करने गया तो उसने देखा —

① → पहाड़िया लोग बाहरी लोगो के प्रति संकोच की दृष्टि से देखते थे।

② → पहाड़िया लोग बाहर के लोगो से बात नहीं करते थे कई बार तो वह अपने घर छोड़कर चले जाते थे।

③ → जब संथालो को पहाड़ीया के क्षेत्र मे बसाया गया तो पहाड़ीया ने विरोध किया था।

④ → संथालो का विरोध करने के बाद वह अन्दर की तरफ खिसक गए थे।

प्रश्न सं० (11) का उत्तर

चरखे को राष्ट्रवाद का प्रतीक चुनने का कारण :→ चरखा स्वावलम्बन का प्रतीक होता है इसलिए चरखे को राष्ट्रवाद का प्रतीक चुनागया क्योंकि गाँधी जी चाहते थे कि भारत के लोग ब्रिटेन की मशीनो पर न निर्भर होकर अपना सामान स्वंय बनाए और आत्मनिर्भर बने इसलिए वह चाहते थे कि प्रत्येक नागरिक चरखे का प्रयोग करे व चरखे के महत्व को समझे।

P.T.O.

① → सॉंची के स्तूप के संरक्षण मे शाहजहाँ बेगम की भूमिका :→ सॉंची के स्तूप के संरक्षण मे शाहजहाँ बेगम व सुल्तानजहाँ बेगम की भूमिका को निम्न तथ्यो से समझा जा सकता है

② → तोरणद्वार को फ्रांस ले जाने से बचाया:↓

सॉंची के स्तूप के पूर्वी तोरणद्वार को अंग्रेज फ्रांस लेकर जाने के लिए मॉंग रहे थे लेकिन सुल्तानजहाँ बेगम व शाहजहाँ बेगम ने अंग्रेजो को प्लास्टर ऑफ पेरिस की बनी प्रतिकृति देकर संतुष्ट कर दिया।

③ → रख रखाव हेतू धन का अनुदान:→ सॉंची के स्तूप के रखरखाव हेतू सुल्तानजहाँ बेगम व शाहजहाँ बेगम ने धन का अनुदान दिया था ताकि स्तूप सुरक्षित रहे।

④ → अतिथिशालय व संग्रहालय का निर्माण↓

सॉंची के स्तूप के पास शाहजहाँ बेगम ने अतिथिशालय संगहआलय का निर्माण करवाया था जॉन मार्शल ने सॉंची मे लिखी अपनी पुस्तक को शाहजहा बेगम को समर्पित किया था इस पुस्तक के विभिन्न खण्डो के प्रकाशन मे धन का अनुदान दिया था।

महायान → बौद्ध धर्म की नयी विचारधारा

हीनयान → पुरानी विचारधारा

① → महायान बौद्ध मत :→ ईसा की प्रथम सदी मे बौद्ध धर्म के अनुयायी बुद्ध को साधारण इंसान की जगह भगवान मानने लगे और यह विचारधारा उत्पन्न होने लगी कि महात्मा बुद्ध मनुष्यो को उनके पाप से मुक्त करवाएगे इसमे लोग महात्मा बुद्ध की मूर्ति पूजा भी करने लगे व बुद्ध को अलौकिक शक्तियो से पूर्ण समझने लगे

② → हीनयान :→ हीनयान वह लोग थे जो बुद्ध को सामान्य मनुष्य मानते थे और उनकी शिक्षाओ का पालन करते थे हीनयान अपनेआप को थेरवाद भी कहते थे इनके अनुसार महात्मा बुद्ध ने कर्मो के द्वारा मोक्ष प्राप्त किया था और इनके अनुयायी भी कर्मो के द्वारा मोक्ष प्राप्त करने को मान्यता देते है और बौद्ध धर्म कि शिक्षाओ का पालन करने को कहते है।

P.T.O.

① → अमरनायक :→ होता था ये प्रमुख सेना अमरनायक कहलाती थी यह तेलुगु व कन्नड़ भाषा बोलते थे।

② → प्रणाली की तुलना :→ विजयनगर साम्राज्य की अमरनायक प्रणाली के कुछ तत्व दिल्ली की ~~इन~~ इक्ता प्रणाली से लिए गये है।

③ → राज्य क्षेत्र :→ अमरनायक सैनिक कमांडर होते थे जिनको सत्ता संचालन हेतू राजा द्वारा राज्य क्षेत्र दिए जाते थे।

④ → कार्य :→ अमरनायक विजयनगर की जनता किसान, व्यापारी तथा शिल्प कारियो से राजस्व कर तथा अन्य कर लिया करते थे जिसका आधा भाग वह सेना की देखभाल मे व्यय करते थे।

⑤ → अमरनायक द्वारा राजा का भेंट :→ यह वर्ष मे एक बार राजा के लिए भेट भेजते थे तथा कभी अपनी स्वामिभक्ती प्रकट करने हेतू स्वंय मिलने जाया करते थे राजा से।

⑥ → अमरनायक पर नियंत्रण :→ राजा अमरनायक पर अपना नियंत्रण बनाए रखने हेतू उनके राज्यक्षेत्र को बदलते रहते थे।

कृषि उत्पादन मे महिलाओ की भूमिका

① → कृषि मजदूर :→ महिलाएँ खेतो मे फसलो की निराई, बुआई, कटाई के साथ पकी हुइ फसलो का अनाज भी निकालती थी।

② → दस्तकारी के कार्य :→ सूत कातना बर्तन बनाने हेतू मिट्टी को साफ करना व उन्हे गूंथना महिलाओ के श्रम पर आधारित था।

③ → प्रजनन क्षमता का महत्व :→ महिलाओ की प्रजनन क्षमता के कारण उन्हे अति महत्वपूर्ण संसाधन के रूप मे देखा जाता था और अधिक बच्चे पैदा करके श्रम बढ़ाने हेतू कहा जाता था।

④ → मासिक धर्म के समय :→ इस समय महिलाओ को कुम्हार का चाक नही छूने दिया जाता था व बंगाल मे पान के बगानो मे नही जाती थी।

⑤ → नियोक्ताओ के घर कार्य :→ महिलाएँ कृषि व अन्य कार्य के अलावा नियोक्ताओ के घर भी काम करती थी। पंजाब मे महिलाओ को पुश्तैनी संपति रखने का हक था हिन्दू व मुस्लमान महिलाओ को जमीदारी रखने देते थे जैसे राजशाही की जमीदारी

P.T.O.

किताब - उल - हिन्द

① → लेखक :→ किताब - उल - हिन्द की रचना अलबरूनी ने की थी, जिसका जन्म सन् 973 ई० में उज्बेकिस्तान के ख्वारिज्म में हुआ था। 1017 में महमूद गजनवी अलबरूनी को गजनी ले जाते हैं जहाँ उसकी भारत के प्रति रुचि विकसित हुई।

② → भाषा :→ किताब - उल - हिन्द को तहकीक - ए - हिन्द भी कहते हैं जिसकी रचना अरबी भाषा में हुई है। यह एक विस्तृत ग्रन्थ है जिसमें अस्सी अध्याय हैं।

③ → विषय :→ इसमें धर्म, दर्शन, रीति-रिवाज, नियम, सामाजिक, आर्थिक राजनीतिक सभी चीजों की व्याख्या की है।

④ → विशेष प्रणाली :→ इसके लेखन में विशेष प्रणाली का प्रयोग हुआ है। जिसमें आरंभ में एक प्रश्न होता है फिर उत्तर तथा अन्त में अन्य संस्कृतियों से तुलना होती है।

⑤ → ज्यामितीय संरचना :→ कुछ इतिहासकार कहते हैं कि अलबरूनी की लिखने की कला ज्यामितीय संरचना जैसी है क्योंकि उसको गणित विषय में रुझान था।

दक्कन के रैयत का क्रुद्ध होने का कारण

① → साहूकारो का ऋण न देना :→ अमेरिकी गृहयुद्ध खत्म होने के बाद भारतीय कपास की मांग कम होने के कारण साहूकारो ने ऋण देना बन्द कर दिया था।

② → ऋण पर ऊँची ब्याज दर :→ अगर साहूकार ऋणदाताओ को ऋण देते भी थे तो बहुत ज्यादा ब्याज लेते थे।

③ → ऋणपत्रो मे धोखाधड़ी करना :→ ऋणदाता को रैयत धोखेबाज समझने लगे थे क्योकि वह रैयत के ऋणपत्रो मे जालसाजी करता था।

④ → 1859 के परिसीमन कानून को साहूकारो ने अपने पक्ष मे किया :→ 1859 के कानून के अनुसार 3 वर्षो के लिए ब्याज दर तय हो गया था लेकिन साहूकारो ने इस नियम को बदलकर ब्याज दरे बढ़ा दी।

⑤ → रैयत को ठगना :→ साहूकार को जब रैयत ऋण देता था तो वो उसकी पर्ची उसे नही देता था व ऋणबन्धो मे गलत आकड़े भर देता था साहूकार रैयत की फसल कम कीमत पर खरीदता था।

P.T.O.

संविधान के अभिलक्षण

① → लिखित व विस्तृत :→ भारत का संविधान लिखित है और बड़ा भी है। संविधान मे मूल 395 अनुच्छेद व 8 अनुसूची थी जो अब बढ़ गयी। जेनिंग्स के अनुसार "भारत का संविधान लिखित व काफी बिस्तृत संविधान है।"

② → मौलिक अधिकार :→ संविधान मे सभी को 6 मौलिक अधिकार दिए गए है।

③ → समानता का अधिकार
④ → स्वतंत्रता का अधिकार
⑤ → शोषण के विरुद्ध अधिकार
⑥ → धार्मिक स्वंतत्रता का अधिक
⑦ → संस्कृति व शिक्षा का अधिकार
⑧ → संवैधानिक उपचारो का अधिकार

③ → मौलिक कर्त्तव्य :→ संविधान मे अनुच्छेद 51 मे नागरिको के मौलिक कर्तव्य है जिनका पालन करना सभी को आवश्यक है।

④ → धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र :→ भारतीय संविधान की प्रस्तावना मे उसे धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र घोषित कियागया है जिसके अनुसार भारत का अपना कोइ धर्म नहीं है।

⑤ → छुआ छूत का अंत :→ अनुच्छेद 17 के अन्तर्गत छुआ छूत का अन्त किया गया है और सभी नागरिको को समानता का अधिकार दिया गया है।

⑥ → वयस्क मताधिकार :→ वयस्क मताधिकार की वजह से सभी व्यक्ति एक निश्चित आयु के बाद वोट दे सकते है यह आयु पहले 21 वर्ष होती थी लेकिन 61 वे संविधान संशोधन मे 18 वर्ष कर दी गई।

⑦ → महिलाओ को समान अधिकार :→ भारत के संविधान मे महिलाओ को समान अधिकार दिया गया है। सभी क्षेत्रो मे।

⑧ → राज्य के नीति निर्देशक तत्व :→ संविधान मे नीति निर्देशक तत्व भी है।

P.T.O.

(1) → हड़प्पा सभ्यता एक विकासित नगरीय सभ्यता थी :→ हड़प्पा सभ्यता की खोज 1921 में दयाराम साहनी ने जॉन मार्शल के नेतृत्व में की थी इसलिए इस सभ्यता का नाम हड़प्पा सभ्यता रखा गया ।

(2) → नगर नियोजन :→ यहाँ के नगरो को काफी नियोजित तरीके से बनाया गया था और दो भागो में बाटा गया था।

(i) → दुर्ग :→ दुर्ग छोटा था परन्तु ऊँचाई पर बनाया गया था इसके चारो ओर चबूतरे का निर्माण किया गया था इसमे शासक वर्ग रहते थे।

(ii) → निचला शहर :→ निचला शहर बड़ा था लेकिन नीचे बनाया था इसमे जनता रहती थी।

(3) → सड़को का ग्रिड पद्धति मे बनाना :→

हड़प्पा सभ्यता की सड़को को ग्रिडपद्धति मे बनाया गया था जो एक दूसरे को समकोण पर काटती थी इनके आसपास नालिया बनाई गई थी।

(4) →

को बनाया गया था हर घर की नाली सड़को से आकर मिलती थी साफ सफाई का उचित प्रबन्ध किया गया था।

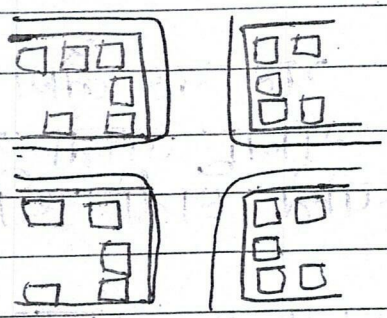

(5) → विशाल स्नानागार :→ मोहनजोदड़ो मे एक विशाल स्नानागार मिला था जिसकी लंबाई 30 फुट चौं० 23 फुट व गहराई 8 फुट थी जिसका प्रयोग विशेष अनुष्ठानो के लिए किया गया था।

मैके के अनुसार "हड़प्पा सभ्यता जैसी सभ्यता न आज तक देखने को मिली है न मिलेगी"

(6) → सिंचाई की व्यवस्था :→ सिचाई के लिए नहरो का निर्माण किया गया था जिसके अवशेष शोर्तुघई से मिले है जलाशय धौलावीरा से मिले है तथा 700 कुओ के अवशेष मिले है।

(7) → ईट व बाट का समानुपात मे निर्माण :→

ईट व बाट का निर्माण शासको द्वारा किया जाता था बाट चर्ट नामक पत्थर से तथा ईटो को धूप मे पकाकर बनाया जाता था

लंबाई → ऊचाई × 4] ईट थी
चौड़ाई → ऊचाई × 2]

P.T.O.

मुगल भारत में पंचायत

① → पंचायत में बुजुर्गों का जमावड़ा :→ पंचायत में बुजुर्गों का जमावड़ा होता था यह वह लोग होते थे जिन्हें पंचायत में मुख्य माना जाता था तथा इनके पास पुश्तैनी सम्पत्ति होती थी।

② → पंचायत में विविधता :→ पंचायत में विभिन्न जातियों के लोग थे इसलिए विविधता पाई जाती थी निम्न जाती के लोगों के लिए इसमें जगह नहीं थी पंचायत का फैसला सभी को मानना पड़ता था

③ → पंचायत का मुखिया :→ पंचायत का सरदार मुखिया होता था जिसका चुनाव बुजुर्गों की आम सहमति से होता था बुजुर्गों का विश्वास खोने के बाद मुखिया को पद से हटा दिया जाता था।

④ → मुखिया के कार्य :→ ① → गाव की आमदनी व खर्चे का हिसाब अपनी निगरानी में बनवाना।

② → यह देखना की सभी अपनी जाति की हद में रहे।

③ → जाति की अवहेलना करने पर दण्ड देना।

④ → सामुहिक कार्य जैसे नुहर व बाँध बनवाना

⑤ → गाँव में आए अधिकारियों की देखभाल करना

⑥ → गाँव की जनता के कल्याण का कार्य करना

1857 के विद्रोह के कारण

* राजनीतिक कारण :-

① लार्ड डलहौजी की साम्राज्यवाद की नीति :- लॉर्ड डलहौजी ने सहायक संधि व गोद निषेध प्रथा के कारण अपने साम्राज्य का विस्तार करता जा रहा था वह हर जगह के शासक से उसका राज्य छीन लेता था।

② ईस्ट इंडिया कम्पनी का दुशासन :-

ईस्ट इंडिया कम्पनी के अधिकारी भारत के लोगो के साथ बुरा व्यवहार करते थे जिससे भारत की जनता ब्रिटिशो के खिलाफ हो गई थी।

③ सरकारी नौकरियो मे भारतीयो की कम भर्ती :- सरकारी नौकरियो मे केवल अंग्रेजो के अधिकारियो को ही ऊचे पदो पर रखा जाता था भारत के लोगो को नही रखा जाता था। थॉमस मुनरो ने अधिकारियो से भारतीयो को उच्चे पदो पर रखने को कहा तो उन्होने मना कर दिया।

① → भारतीय व्यापार का विनाश :→ अंग्रेजो ने भारतीयो के व्यापार को समाप्त कर दिया था और केवल कच्चे माल के निर्यातक बना कर छोड़ा था।

② → भारत का धन विदेश जाना :→ अंग्रेजु भारतीयो की वस्तुए व फसले कम कीमत पर खरीदकर उन धन को ब्रिटेन भेजु देते थे ताकिवहा पर प्रयोग किया जा सके।

③ → अधिक लोगो का बेरोजगार होना :→

भारत का व्यापार तो अंग्रेजो के हाथु मे था जहा वह ब्रिटेन की वस्तुए बेचते थे इसलिए अधिक लोग बेरोजगार होगये थे क्योकि उनका सामान कोई खरीदता ही नही था।

* तत्कालीन कारण :→

① → चर्बी युक्त कारतूस :→ अंग्रेज भारतीय सैनिको को चर्बी युक्त कारतूस प्रयोग करने के लिए कहा था जिसके कारण हिन्दू व मुसलमान मे असन्तोष व्याप्त हुआ व 10 मई 1857 को विद्रोह प्रारम्भ हुआ।

P.T.O.

स्त्री पुरुष मे विषमताएँ

① → स्त्री को निजी सम्पति समझना :→ पुरुष स्त्री को हमेशा निजी सम्पत्ति समझते थे इसलिए पांडव ने कौरवो के साथ जुए मे द्रौपदी को हारा।

② → पुरुषो को सम्पत्ति का अधिकार :→ उस समय पिता की सम्पत्ति उसके पुत्रो मे बांट दी जाती थी लेकिन यह सम्पत्ति पुत्रो को ही दी जाती थी पुत्रियो को नही।

③ → स्त्रीधन :→ स्त्रियों के लिए केवल स्त्री धन ही होता था जो उनको उनकी शादी के समय मिलता था उसेव इसरो को भी दे सकती थी लेकिन पति की आज्ञा के बिना सम्पत्ति नही जुटा सकती थी।

④ → राजशाही महिलाओ की विशेष स्थिति :→

जो अमीर महिलाएँ होती थी या राजा व रानी होती थी उन्हे पुश्तैनी सम्पत्ति रखने का अधिकार दिया जाता था। प्रभावती गुप्त को पुश्तैनी सम्पत्ति का अधिकार था।

उस समय समाज मे बहुपत्नी

केन्द्र संख्या की मुहर	केन्द्र व्यवस्थापक के हस्ताक्षर	नोट–परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका के किसी भी भाग में अपना नाम व केन्द्र का नाम न लिखें।
नोट–केन्द्र के नाम की मुहर उत्तरपुस्तिका के किसी भी भाग पर न लगाएं।		

परीक्षार्थी द्वारा भरा जाय–

अनुक्रमांक (अंकों में)– [illegible] अनुक्रमांक (शब्दों में) [illegible]

विषय इतिहास प्रश्नपत्र संकेतांक– 410(IOT)

कक्ष निरीक्षक द्वारा भरा जाय–

केन्द्र संख्या– 1 1 2 5

परीक्षा कक्ष संख्या– 0 9

(उपरोक्त सभी प्रविष्टियों की जाँच मेरे द्वारा सावधानीपूर्वक कर ली गई है।)

कक्ष निरीक्षक का नाम Neeta Pant

दिनांक– 2/3/24

हस्ताक्षर कक्ष निरीक्षक– [signature]

परीक्षक के हस्ताक्षर व संख्या [signature] 42143

पी0एस0यू0 (आर0ई0) 17 उ0वि0शि0प0/36–14–06–2023–2,11,000 उत्तर पुस्तिकाएं (कम्प्यूटर/ऑफसेट)।

रोल नं.
Roll No.

प्रश्न संख्या 25 के लिए
[For Q. No. 25]

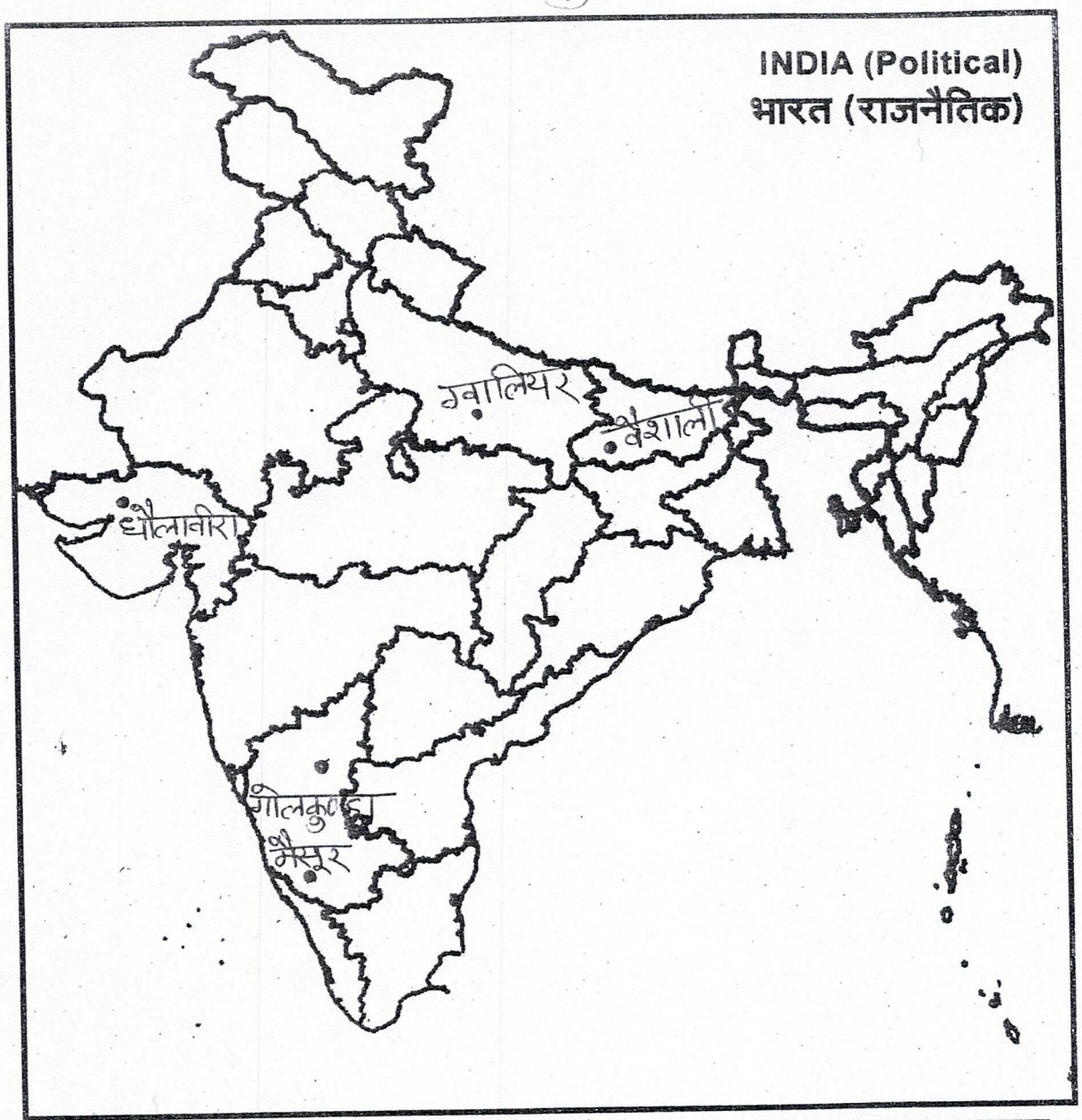

केवल परीक्षकों के लिए (For Examiners Only)	प्रश्न संख्या 25 (Q. No. 25)		(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	योग Total
	प्रदत्त अंक (Marks Provided)							

P.T.O.

P.T.O.

① → विजयनगर की स्थापना :→ विजयनगर की स्थापना दो भाईयो हरिहर व बुक्का ने की थी यह सन् 1336 मे की थी।

② → विजयनगर साम्राज्य के राजवंश :→

1336 ई०	-	1485 ई०	संगम वंश
1485 ई०	-	1503 ई०	सुलुव वंश
1503 ई०	-	1529 ई०	तुलुव वंश
1529 ई०	-	1565 ई०	अरविंदु वंश

③ → विजयनगर का महान शासक कृष्णदेव राय का योगदान :→ कृष्ण देव राय के योगदान बहुत ज्यादा है

(i) → उसने उड़ीसा के शासक को हराया था
(ii) → रायचूर दोआब का क्षेत्र हासिल किया था
(iii) → वह कला का संरक्षण करता था।
(iv) → वह साहित्य का प्रेमी थी।
(v) → उसने अमुक्तमल्यद ग्रन्थ की रचना की थी।
(vi) → दक्षिण भारतीय मन्दिरो मे विशाल गोपुरम जोड़ने का श्रेय कृष्णदेव राय को जाता है।
(vii) → उसने विजयनगर मे बहुत सारे मन्दिरो का निर्माण करवाया था व उनको संरक्षण भी प्रदान किया था।
(viii) → उसने उड़ीसा के शासक का दमन किया था।

P. T. O.

(5) → पतन के कारण :→ विजयनगर के पतन के निम्नलिखित कारण थे

(i) → कृष्णदेवराय की मृत्यु के बाद कोई भी शक्तिशाली शासक नहीं था।

(ii) → तालीकोटा के युद्ध मे अहमदनगर व गोलकुण्डा के राजा का मजबूत पक्ष था।

(iii) → तालीकोटा का युद्ध रामराय के नेतृत्व मे लड़ा गया था।

प्रश्न (25) का उत्तर

(i) उत्तर

गाँधी जी ने दाण्डी मार्च की शुरुआत इसलिए की क्योंकि नमक बनाने पर भी केवल सरकार का अधिकार था इसलिए गाँधी जी गैर कानूनी तरीके से नमक बनाया व सविनय अवज्ञा आन्दोलन की शुरुआत की।

(ii) उत्तर

नमक यात्रा 3 बातो से उल्लेखनीय थी।

(1) → इस आन्दोलन के बाद गाँधी जी को विश्व भर मे लोग जानने लगे।

(2) → इसमे महिलाओ ने भाग लिया।

(iii) उत्तर

नमक सत्याग्रह अंग्रेजो के खिलाफ था

(iv) उत्तर

शांति व अहिंसा के द्वारा कोई भी व्यक्ति अपनी बाते सरकार से मनवा सकता है। भारतीय आन्दोलन सभी शान्ति व अहिंसा पर आधारित थे इसलिए गाँधी जी ने देश को आजाद करवा पाए। शान्ति व अहिंसा को रोका नहीं जा सकता है।